नशा मुक्त भारत अभियान

नई किरण नशा मुक्ति केंद्र, राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर

लोकसंकल्प

नशे की सामाजिक स्वीकृति के विरुद्ध जनआंदोलन

नशे को नहीं, संस्कारों को सामाजिक स्वीकृति

लोक संकल्प : मुख्य परिचय पुस्तिका, भाग -1

मेरा गांव – मेरा परिवार – मेरा संकल्प – नशामुक्त समाज

loksankalp.org

विषय-सूची

इस पुस्तिका में

01	अध्याय 1 : भूमिका	3
02	अध्याय 2 : लोकसंकल्प क्या है?	3
03	अध्याय 3 : नशे की समस्या को नए दृष्टिकोण से समझना	3
04	अध्याय 4 : नशे की सामाजिक स्वीकृति क्या है?	4
05	अध्याय 5 : नशे की मनुहार नहीं, समाज के साथ विश्वासघात	4
06	अध्याय 6 : युवा नशे की ओर क्यों बढ़ रहे हैं?	5
07	अध्याय 7 : नशे के विरुद्ध लोकसंकल्प का समाधान मॉडल	7
08	अध्याय 8 : शिक्षक — परिवर्तन के अग्रदूत	7
09	अध्याय 9 : विद्यार्थी — परिवर्तन के दूत	8
10	अध्याय 10 : अभिभावक — पहली सुरक्षा दीवार	8
11	अध्याय 11 : महिलाओं की भूमिका — परिवर्तन की सबसे बड़ी शक्ति	9
12	अध्याय 12 : ग्राम लोकसंकल्प सभा — परिवर्तन का सामाजिक मंच	9
13	अध्याय 13 : ग्राम लोकसंकल्प समिति	10
14	अध्याय 14 : नशामुक्त सामाजिक आयोजन अभियान	10
15	अध्याय 15 : सफलता कहानी मॉडल	11
16	अध्याय 16 : लोकसंकल्प वेब पोर्टल — जनभागीदारी का डिजिटल मंच	12
17	अध्याय 17 : परामर्श एवं सहायता केंद्र	12
18	अध्याय 18 : सफलता कैसी दिखेगी? — लोकसंकल्प का विज़न 2047	12

www.loksankalp.org

1 अध्याय 1 : भूमिका

क्यों आवश्यक है लोकसंकल्प?

भारत आज विश्व के सबसे युवा देशों में से एक है। यह जनसांख्यिकीय शक्ति (Demographic Dividend) हमारे देश की सबसे बड़ी पूंजी है। यदि युवाओं को उचित शिक्षा, कौशल, अवसर और सकारात्मक सामाजिक वातावरण मिले तो वे राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति बन सकते हैं। लेकिन यदि वे नशे, निराशा, हिंसा, बेरोजगारी और सामाजिक विघटन के चक्र में फँस जाएँ तो यही शक्ति समाज के लिए गंभीर चुनौती भी बन सकती है।

पिछले कुछ वर्षों में नशे की समस्या ने समाज के विभिन्न वर्गों में चिंता पैदा की है। तंबाकू, शराब, अफीम, स्मैक, चिट्टा, सिंथेटिक ड्रग्स और दुरुपयोग की जाने वाली दवाइयाँ अनेक परिवारों को प्रभावित कर रही हैं। इस समस्या के कारण स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, पारिवारिक संबंध और सामाजिक जीवन सभी प्रभावित होते हैं।

नशे के विरुद्ध अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। सरकारें कानून बनाती हैं, पुलिस अवैध तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई करती है, चिकित्सक उपचार उपलब्ध कराते हैं और नशा मुक्ति केंद्र पुनर्वास का कार्य करते हैं। ये सभी प्रयास अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

फिर भी एक प्रश्न हमारे सामने खड़ा है—

> **यदि समाज स्वयं नशे को सामान्य, स्वीकार्य और कई बार सम्मानजनक व्यवहार मानता रहेगा, तो क्या केवल कानून और उपचार से नशे की समस्या समाप्त हो सकती है?**

लोकसंकल्प इसी प्रश्न से जन्मा है।

लोकसंकल्प मानता है कि नशे की समस्या केवल व्यक्ति की समस्या नहीं है। यह एक सामाजिक समस्या है, जिसका समाधान भी सामाजिक भागीदारी से ही संभव है। जब तक समाज नशे को सम्मान देना बंद नहीं करेगा, तब तक नशे की मांग बनी रहेगी।

> **इसीलिए लोकसंकल्प का उद्देश्य केवल नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करना नहीं, बल्कि उन सामाजिक परिस्थितियों को बदलना है जो नशे को बढ़ावा देती हैं।**

2 अध्याय 2 : लोकसंकल्प क्या है?

लोकसंकल्प एक जनभागीदारी आधारित सामाजिक आंदोलन है जिसका उद्देश्य नशे की सामाजिक स्वीकृति को समाप्त करना, युवाओं को सकारात्मक अवसरों से जोड़ना तथा समाज में स्वस्थ जीवन मूल्यों को पुनर्स्थापित करना है।

यह आंदोलन किसी व्यक्ति, वर्ग, समुदाय या परंपरा के विरुद्ध नहीं है। यह उन सामाजिक व्यवहारों के विरुद्ध है जो अनजाने में नशे को सामान्य और स्वीकार्य बनाते हैं।

लोकसंकल्प का मूल विश्वास है कि—

> **"नशे के विरुद्ध सबसे प्रभावी लड़ाई कानून से पहले समाज के स्तर पर लड़ी जाती है।"**

यदि परिवार, विद्यालय, ग्रामसभा, सामाजिक संगठन, धार्मिक संस्थाएँ और जागरूक नागरिक मिलकर नशे को सामाजिक सम्मान देना बंद कर दें तो नशे के विस्तार की प्रक्रिया कमजोर पड़ सकती है।

लोकसंकल्प केवल निषेध का अभियान नहीं है। यह सकारात्मक विकल्पों का भी अभियान है।

यह युवाओं को जोड़ना चाहता है—

- शिक्षा से
- कौशल विकास से
- खेलों से
- सांस्कृतिक गतिविधियों से
- सामुदायिक सेवा से
- पर्यावरण संरक्षण से
- रचनात्मक नेतृत्व से

क्योंकि केवल नशे से दूर रहने की सलाह पर्याप्त नहीं होती, युवाओं को जीवन में बेहतर विकल्प भी चाहिए होते हैं।

3 अध्याय 3 : नशे की समस्या को नए दृष्टिकोण से समझना

अक्सर नशे की चर्चा केवल स्वास्थ्य समस्या के रूप में की जाती है। लेकिन वास्तव में नशा एक बहुआयामी सामाजिक चुनौती है।

यदि कोई युवा नशे की ओर बढ़ता है तो उसके पीछे अनेक कारण हो सकते हैं—

सामाजिक स्वीकृति · **पारिवारिक तनाव** · **बेरोजगारी** · **भविष्य के प्रति अनिश्चितता** · **गलत संगति** · **मानसिक तनाव** · **अकेलापन** · **सोशल मीडिया का प्रभाव** · **आसान उपलब्धता** · **संगठित तस्करी**

इसलिए नशे की समस्या को केवल “व्यक्ति की गलती” कहकर नहीं समझा जा सकता।

एक समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण हमें बताता है कि व्यक्ति का व्यवहार उसके सामाजिक परिवेश से गहराई से प्रभावित होता है।

> **यदि समाज में नशा सामान्य माना जाता है तो नशा बढ़ेगा।**

> **यदि समाज में स्वस्थ जीवन शैली को सम्मान मिलेगा तो स्वस्थ व्यवहार बढ़ेंगे।**

इसीलिए लोकसंकल्प व्यक्ति को दोष देने के बजाय समाज को जागरूक और सक्रिय बनाने पर बल देता है।

4 अध्याय 4 : नशे की सामाजिक स्वीकृति क्या है?

www.loksankalp.org

लोकसंकल्प का केंद्रीय विचार “नशे की सामाजिक स्वीकृति” है।

सामाजिक स्वीकृति का अर्थ है—

> **जब समाज किसी व्यवहार को सामान्य, स्वीकार्य, प्रतिष्ठित या सम्मानजनक मान ले।**

हर सामाजिक व्यवहार कानून से नियंत्रित नहीं होता। अनेक व्यवहार सामाजिक मान्यताओं द्वारा संचालित होते हैं।

उदाहरण के लिए—

- अतिथि को तंबाकू देना
- विवाह में शराब परोसना
- युवाओं के धूम्रपान को सामान्य मानना
- तंबाकू सेवन को पुरुषत्व से जोड़ना
- नशे को आधुनिकता का प्रतीक मानना

ये सभी सामाजिक स्वीकृति के उदाहरण हैं।

समस्या तब उत्पन्न होती है जब समाज किसी हानिकारक व्यवहार को भी सामान्य मानने लगता है।

जब कोई बच्चा बचपन से यह देखता है कि परिवार, रिश्तेदारी और समाज में तंबाकू या अन्य नशे सामान्य हैं, तो उसके मन में उनके प्रति प्रतिरोध कम हो जाता है।

> **इस प्रकार सामाजिक स्वीकृति नशे का सबसे बड़ा प्रवेश द्वार बन सकती है।**

5 अध्याय 5 : नशे की मनुहार नहीं, समाज के साथ विश्वासघात

लोकसंकल्प का यह सबसे महत्वपूर्ण अध्याय है।

हमारे समाज के अनेक हिस्सों में विवाह, मृत्यु भोज, सामाजिक समारोह, रिश्तेदारी मिलन और अन्य आयोजनों में तंबाकू, गुटखा, बीड़ी, सिगरेट, हुक्का अथवा अन्य नशीले पदार्थों को “मनुहार” या “मेहमाननवाजी” के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

कई लोग इसे परंपरा बताते हैं।

लेकिन हमें ईमानदारी से स्वयं से एक प्रश्न पूछना चाहिए—

> **क्या किसी व्यक्ति को नशा परोसना वास्तव में उसका सम्मान है?**

सम्मान वह है जो व्यक्ति के स्वास्थ्य, जीवन और भविष्य को बेहतर बनाए।

नशा वह है जो धीरे-धीरे स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है, परिवार को प्रभावित करता है और कई बार व्यसन का कारण बन जाता है।

> **इस दृष्टि से देखें तो नशीले पदार्थों की मनुहार वास्तव में सम्मान नहीं, बल्कि एक सामाजिक कुरीति है।**

विशेष रूप से तब जब—

- बच्चे और किशोर उसे देख रहे हों,
- युवा उसे सामाजिक प्रतिष्ठा समझने लगें,
- परिवार उसे सामान्य व्यवहार मानने लगे।

और भी गंभीर प्रश्न यह है कि मृत्यु भोज जैसे अवसरों पर, जहाँ किसी दिवंगत व्यक्ति की स्मृति और सम्मान का भाव होना चाहिए, वहाँ नशीले पदार्थों का वितरण किस प्रकार उचित ठहराया जा सकता है?

किसी प्रियजन की स्मृति में सबसे बड़ी श्रद्धांजलि यह हो सकती है कि उस अवसर को स्वस्थ, सकारात्मक और समाज के लिए प्रेरणादायक बनाया जाए।

लोकसंकल्प इसलिए सभी परिवारों से आग्रह करता है कि वे संकल्प लें—

> **"हम अपने किसी भी सामाजिक, पारिवारिक, धार्मिक अथवा सामुदायिक आयोजन में किसी प्रकार का नशीला पदार्थ परोसेंगे नहीं और न ही उसका प्रोत्साहन करेंगे।"**

यही सामाजिक परिवर्तन की शुरुआत है।

www.loksank

इस अध्याय का सार

लोकसंकल्प केवल नशा छोड़ने का अभियान नहीं है।

यह समाज को यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि—

हम अपने बच्चों को कैसी परंपराएँ सौंपना चाहते हैं?

- ऐसी परंपराएँ जो स्वास्थ्य, संस्कार और सम्मान को बढ़ावा दें,
- या ऐसी परंपराएँ जो अनजाने में नशे को सामाजिक स्वीकार्यता प्रदान करें?

लोकसंकल्प का उत्तर स्पष्ट है—

> **"नशे को नहीं, संस्कारों को सामाजिक स्वीकृति।"**

6 अध्याय 6 : युवा नशे की ओर क्यों बढ़ रहे हैं?

यदि हम वास्तव में नशे की समस्या का समाधान चाहते हैं तो हमें यह समझना होगा कि युवा नशे की ओर क्यों आकर्षित हो रहे हैं।

लोकसंकल्प मानता है कि नशे की समस्या का कारण केवल व्यक्ति की इच्छा या कमजोरी नहीं है। इसके पीछे अनेक सामाजिक, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक कारण कार्य करते हैं।

1 भविष्य के प्रति अनिश्चितता

आज का युवा पहले की तुलना में अधिक शिक्षित है, लेकिन कई बार अपने भविष्य को लेकर अधिक चिंतित भी है।

प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। | **रोजगार सीमित हैं।** | **सफलता का सामाजिक दबाव लगातार बढ़ रहा है।**

ऐसी स्थिति में कुछ युवा तनाव, निराशा और असुरक्षा का अनुभव करते हैं।

यदि उन्हें उचित मार्गदर्शन और सकारात्मक अवसर नहीं मिलते तो वे गलत रास्तों की ओर आकर्षित हो सकते हैं।

2 कौशल और रोजगार के बीच दूरी

हमारे शिक्षा तंत्र ने ज्ञान का विस्तार तो किया है, लेकिन कई बार रोजगारोन्मुखी कौशलों का विकास पर्याप्त नहीं हो पाता।

बहुत से युवा डिग्री प्राप्त कर लेते हैं, परंतु उनके पास ऐसे कौशल नहीं होते जो उन्हें आत्मनिर्भर बना सकें।

जब व्यक्ति स्वयं को समाज में उपयोगी और सक्षम महसूस नहीं करता तो उसके भीतर निराशा बढ़ सकती है।

इसलिए लोकसंकल्प नशामुक्ति को कौशल विकास, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता से भी जोड़ता है।

3 ग्रामीण युवाओं की चुनौतियाँ

ग्रामीण भारत में युवाओं के सामने विशेष चुनौतियाँ हैं।

कृषि में घटती आय | **सीमित रोजगार अवसर** | **पलायन** | **मनोरंजन और रचनात्मक गतिविधियों की कमी**

ऐसे वातावरण में कुछ युवा नशे को समय बिताने का साधन समझ बैठते हैं।

जबकि वास्तविक आवश्यकता है कि गांवों में—

- खेल सुविधाएँ बढ़ें
- पुस्तकालय विकसित हों
- कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध हो
- कृषि आधारित उद्यमिता को बढ़ावा मिले

4 मानसिक तनाव और अकेलापन

आधुनिक जीवन में मानसिक तनाव एक बड़ी चुनौती बन चुका है।

परीक्षा का दबाव | **करियर की चिंता** | **संबंधों की जटिलताएँ** | **पारिवारिक अपेक्षाएँ** | **सोशल मीडिया की तुलना**

ये सभी मिलकर युवाओं में तनाव बढ़ा सकते हैं।

कुछ लोग गलतफहमी में नशे को तनाव कम करने का साधन मान लेते हैं।

> **वास्तव में नशा तनाव को कम नहीं करता, बल्कि उसे और जटिल बना देता है।**

www.loksankalp.org

5 गलत संगति और समूह दबाव

कई बार नशे की शुरुआत जिज्ञासा से नहीं, बल्कि समूह दबाव से होती है।

मित्र कहते हैं—

“एक बार कोशिश करके देखो।” | **“कुछ नहीं होगा।”** | **“सब करते हैं।”**

यहीं से कई युवाओं का पहला संपर्क नशे से होता है।

लोकसंकल्प युवाओं को यह सिखाना चाहता है कि—

> **“ना” कहना कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मविश्वास का प्रतीक है।**

6 सोशल मीडिया का विषाक्त प्रभाव

सोशल मीडिया एक शक्तिशाली माध्यम है।

यह प्रेरित भी कर सकता है और भ्रमित भी।

आज अनेक डिजिटल मंचों पर—

दिखावटी जीवन शैली | **त्वरित सफलता** | **पार्टी संस्कृति** | **जोखिमपूर्ण व्यवहार**

को आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

जब युवा वास्तविक जीवन की तुलना आभासी जीवन से करने लगते हैं तो असंतोष बढ़ सकता है।

इसलिए डिजिटल साक्षरता और संतुलित उपयोग अत्यंत आवश्यक है।

7 सिंथेटिक ड्रग्स का नया खतरा

आज नशे का स्वरूप बदल रहा है।

स्मैक, चिट्टा, एमडी (MD), मेथाम्फेटामीन और अन्य सिंथेटिक ड्रग्स तेजी से युवाओं को निशाना बना रहे हैं।

इनका प्रभाव कई बार पारंपरिक नशों से भी अधिक घातक होता है।

> **यह केवल स्वास्थ्य का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता का भी प्रश्न है।**

इसलिए समाज को सजग और संगठित होना होगा।

7 अध्याय 7 : नशे के विरुद्ध लोकसंकल्प का समाधान मॉडल

लोकसंकल्प केवल समस्या की पहचान नहीं करता, बल्कि समाधान का मार्ग भी प्रस्तुत करता है।

यह समाधान पाँच स्तरों पर आधारित है।

www.loksankalp.org

1 सामाजिक परिवर्तन

- नशे को सम्मान देना बंद करना।
- नशामुक्त जीवन को सम्मान देना।
- सामाजिक मानदंडों में परिवर्तन लाना।

2 परिवार आधारित रोकथाम

परिवार सबसे पहली सुरक्षा दीवार है।

यदि परिवार में संवाद मजबूत है तो नशे का जोखिम कम होता है।

3 शिक्षा आधारित जागरूकता

विद्यालय केवल परीक्षा पास कराने के लिए नहीं हैं।

वे जीवन निर्माण के केंद्र हैं।

4 सकारात्मक अवसर

खेल | संस्कृति | स्वयंसेवा | कौशल विकास | पर्यावरण संरक्षण

युवाओं को सकारात्मक विकल्प प्रदान करते हैं।

5 सामुदायिक भागीदारी

सरकार अकेले नशे की समस्या समाप्त नहीं कर सकती।

समाज को साथ आना होगा।

> **लोकसंकल्प इसी सामुदायिक शक्ति को संगठित करने का प्रयास है।**

8 अध्याय 8 : शिक्षक — परिवर्तन के अग्रदूत

यदि लोकसंकल्प एक जनआंदोलन है तो शिक्षक उसके सबसे महत्वपूर्ण वाहक हैं।

शिक्षक केवल पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाते।

वे समाज के विचार और संस्कार भी गढ़ते हैं।

एक शिक्षक—

प्रेरक होता है | मार्गदर्शक होता है | मूल्य निर्माता होता है | सामाजिक नेतृत्वकर्ता होता है

जब कोई शिक्षक नशामुक्त समाज का संदेश देता है तो उसका प्रभाव कई पीढ़ियों तक जा सकता है।

> **इसी कारण शिक्षक दिवस को लोकसंकल्प अभियान के प्रमुख सामाजिक आयोजन दिवस के रूप में चुना गया है।**

शिक्षक क्या कर सकते हैं?

- ✔ ग्राम संकल्प सभाएँ आयोजित करें
- ✔ विद्यार्थियों को जागरूक करें
- ✔ अभिभावकों से संवाद करें
- ✔ ग्राम समिति के गठन में सहयोग करें
- ✔ सफलता की कहानियों का दस्तावेजीकरण करें
- ✔ ऐप के माध्यम से अभियान को जोड़ें

9 अध्याय 9 : विद्यार्थी — परिवर्तन के दूत

इतिहास साक्षी है कि बड़े सामाजिक परिवर्तन युवाओं ने किए हैं।

स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर पर्यावरण संरक्षण तक, युवाओं ने समाज को नई दिशा दी है।

लोकसंकल्प में विद्यार्थी केवल श्रोता नहीं हैं।

वे परिवर्तन के सक्रिय भागीदार हैं।

www.loksankalp.org

विद्यार्थी की भूमिका

- ✔ नशामुक्त जीवन अपनाना
- ✔ अपने मित्रों को प्रेरित करना
- ✔ ग्राम सभाओं में भाग लेना
- ✔ जनजागरण गतिविधियों में सहयोग करना
- ✔ सोशल मीडिया पर सकारात्मक संदेश प्रसारित करना
- ✔ स्वयंसेवक के रूप में कार्य करना

युवा शक्ति का संदेश

युवा केवल भविष्य नहीं हैं।

युवा वर्तमान की सबसे बड़ी शक्ति हैं।

> **यदि युवा नशामुक्त होंगे तो भारत का भविष्य सुरक्षित होगा।**

10 अध्याय 10 : अभिभावक — पहली सुरक्षा दीवार

नशामुक्त समाज की शुरुआत परिवार से होती है।

बच्चे माता-पिता की कही बातों से कम और उनके व्यवहार से अधिक सीखते हैं।

यदि परिवार स्वस्थ जीवन शैली अपनाता है तो बच्चे भी उसी दिशा में बढ़ते हैं।

Good Parenting के पाँच सूत्र

1. **समय दें**
   बच्चों को केवल सुविधाएँ नहीं, समय भी चाहिए।

2. **संवाद करें**
   संवाद विश्वास का आधार है।

3. **सुनें**
   अच्छे माता-पिता केवल बोलते नहीं, सुनते भी हैं।

4 **विश्वास करें**

विश्वास बच्चों में आत्मविश्वास पैदा करता है।

5 **उदाहरण बनें**

सबसे प्रभावी शिक्षा व्यवहार से मिलती है।

परिवार का संकल्प

हम अपने घर को—

नशामुक्त | **संवादपूर्ण** | **सकारात्मक** | **संस्कारित**

बनाने का प्रयास करेंगे।

इस खंड का केंद्रीय संदेश

नशा केवल प्रतिबंध से नहीं रुकेगा।

> **नशा तब रुकेगा जब समाज, परिवार, विद्यालय और युवा मिलकर स्वस्थ विकल्पों का वातावरण बनाएँगे।**

www.loksankalp.org

11 अध्याय 11 : महिलाओं की भूमिका — परिवर्तन की सबसे बड़ी शक्ति

किसी भी समाज के संस्कार, व्यवहार और जीवन मूल्यों के निर्माण में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। परिवार का दैनिक वातावरण, बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा, सामाजिक संबंधों की गुणवत्ता और पारिवारिक अनुशासन—इन सभी पर महिलाओं का गहरा प्रभाव होता है।

नशे की समस्या का सबसे अधिक दुष्प्रभाव भी प्रायः महिलाओं और बच्चों को झेलना पड़ता है। घरेलू हिंसा, आर्थिक असुरक्षा, पारिवारिक तनाव, बच्चों की शिक्षा में बाधा तथा मानसिक पीड़ा जैसी अनेक समस्याएँ नशे से जुड़ी होती हैं।

> **इसलिए लोकसंकल्प महिलाओं को केवल सहभागी नहीं, बल्कि परिवर्तन की अग्रणी शक्ति मानता है।**

महिलाएँ क्या कर सकती हैं?

- ✔ परिवार में नशामुक्त वातावरण का निर्माण
- ✔ बच्चों को सकारात्मक जीवन मूल्यों से जोड़ना
- ✔ सामाजिक आयोजनों में नशे की मनुहार का विरोध
- ✔ महिला समूहों के माध्यम से जनजागरण
- ✔ नशा छोड़ने के इच्छुक व्यक्तियों का नैतिक समर्थन
- ✔ ग्राम लोकसंकल्प समिति में सक्रिय भूमिका

जब महिलाएँ संगठित होकर किसी सामाजिक परिवर्तन का नेतृत्व करती हैं, तब उसका प्रभाव पूरे समुदाय पर दिखाई देता है।

12 अध्याय 12 : ग्राम लोकसंकल्प सभा — परिवर्तन का सामाजिक मंच

लोकसंकल्प का मानना है कि नशे की समस्या का समाधान केवल सरकारी कार्यालयों में नहीं, बल्कि गांवों और समुदायों में खोजा जाना चाहिए।

इसी उद्देश्य से "ग्राम लोकसंकल्प सभा" की अवधारणा विकसित की गई है।

ग्राम लोकसंकल्प सभा क्या है?

यह गांव, वार्ड, मोहल्ले या समुदाय का एक खुला सामाजिक मंच है जहाँ लोग एकत्र होकर—

- नशे की समस्या पर चर्चा करते हैं,
- अनुभव साझा करते हैं,
- समाधान खोजते हैं,
- सामूहिक संकल्प लेते हैं,
- और सामाजिक परिवर्तन की दिशा तय करते हैं।

यह किसी राजनीतिक या प्रशासनिक कार्यक्रम का विकल्प नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता और जनभागीदारी का मंच है।

ग्राम लोकसंकल्प सभा के उद्देश्य

1. **संवाद**
   नशे के विषय पर खुली और सकारात्मक चर्चा।
2. **जागरूकता**
   नशे के स्वास्थ्य, सामाजिक और आर्थिक प्रभावों की जानकारी।
3. **सामूहिक संकल्प**
   गांव स्तर पर नशामुक्त वातावरण निर्माण का संकल्प।
4. **संगठन**
   स्थायी ग्राम लोकसंकल्प समिति का गठन।
5. **सतत कार्रवाई**
   सभा के बाद भी गतिविधियों को जारी रखना।

www.loksankalp.org

13 अध्याय 13 : ग्राम लोकसंकल्प समिति

एक दिन का कार्यक्रम स्थायी परिवर्तन नहीं ला सकता।

इसलिए प्रत्येक ग्राम सभा के बाद एक “ग्राम लोकसंकल्प समिति” का गठन किया जाना चाहिए।

संभावित संरचना

प्रधानाचार्य / शिक्षक प्रतिनिधि · विद्यार्थी प्रतिनिधि · महिला प्रतिनिधि · युवा प्रतिनिधि · आंगनवाड़ी कार्यकर्ता · आशा सहयोगिनी · पंचायत प्रतिनिधि · सामाजिक कार्यकर्ता · वरिष्ठ नागरिक

समिति की जिम्मेदारियाँ

मासिक बैठक	प्रत्येक माह कम से कम एक बैठक।
जनजागरण	नियमित संवाद और जागरूकता गतिविधियाँ।
विद्यालय सहयोग	विद्यालयों के साथ संयुक्त कार्यक्रम।
नशा छोड़ने के इच्छुक लोगों की सहायता	उन्हें परामर्श एवं उपचार सेवाओं से जोड़ना।
सामाजिक आयोजनों का प्रोत्साहन	नशामुक्त विवाह, नशामुक्त मृत्यु भोज एवं नशामुक्त समारोह।
वेबसाइट पर रिपोर्टिंग	गतिविधियों का नियमित विवरण अपलोड करना।

14 अध्याय 14 : नशामुक्त सामाजिक आयोजन अभियान

लोकसंकल्प का सबसे महत्वपूर्ण व्यवहार परिवर्तन अभियान।

क्यों आवश्यक है?

क्योंकि नशे की सामाजिक स्वीकृति का सबसे दिखाई देने वाला रूप सामाजिक आयोजनों में दिखाई देता है।

जब विवाह, मृत्यु पश्चात् होने वाली शोक बैठकों या अन्य आयोजनों में नशीले पदार्थ परोसे जाते हैं तो समाज को यह संदेश जाता है कि नशा सामान्य और स्वीकार्य है।

लोकसंकल्प इस सोच को बदलना चाहता है।

नशामुक्त विवाह

एक आदर्श नशामुक्त विवाह—

- ✔ तंबाकू मुक्त
- ✔ गुटखा मुक्त
- ✔ शराब मुक्त
- ✔ धूम्रपान मुक्त
- ✔ सकारात्मक सामाजिक संदेश से युक्त

नशामुक्त मृत्यु शोक सभा

किसी दिवंगत व्यक्ति के सम्मान का सर्वोत्तम तरीका स्वस्थ और सकारात्मक सामाजिक संदेश देना है।

नशीले पदार्थों का वितरण श्रद्धांजलि नहीं हो सकता।

नशामुक्त धार्मिक आयोजन

धार्मिक और आध्यात्मिक आयोजन समाज के लिए प्रेरणा स्रोत होते हैं।

उन्हें पूर्णतः नशामुक्त होना चाहिए।

नशामुक्त सामुदायिक उत्सव

गांव, मोहल्ले और समुदाय के सभी सार्वजनिक आयोजनों में नशे का निषेध।

www.loksankalp.org

15 अध्याय 15 : सफलता कहानी मॉडल

सामाजिक परिवर्तन उदाहरणों से फैलता है।

जब लोग अपने जैसे परिवारों और व्यक्तियों को सकारात्मक परिवर्तन करते देखते हैं, तब वे भी प्रेरित होते हैं।

इसलिए लोकसंकल्प में सफलता की कहानियों का विशेष महत्व है।

सफलता कहानी किनकी हो सकती है?

व्यक्ति	जिसने नशा छोड़ा।
परिवार	जिसने नशामुक्त आयोजन किया।
शिक्षक	जिसने गांव में परिवर्तन की पहल की।
विद्यार्थी	जिसने जनजागरण में नेतृत्व किया।
ग्राम समिति	जिसने उल्लेखनीय कार्य किया।

सफलता कहानी का प्रारूप

स्थिति क्या थी? | परिवर्तन कैसे शुरू हुआ? | क्या चुनौतियाँ आईं? | क्या परिणाम मिले? | दूसरों के लिए क्या संदेश है?

संकल्प सत्यापन मॉडल

यदि किसी परिवार ने संकल्प लिया कि—

> **"हम अपने सामाजिक आयोजनों में नशा नहीं परोसेंगे।"**

तो भविष्य में उसके आयोजन के दौरान ग्राम समिति, शिक्षक या वालंटियर उस पहल का अवलोकन कर सकते हैं।

परिवार की सहमति से—

छोटा वीडियो, | फोटो, | अनुभव,

ऐप पर साझा किए जा सकते हैं।

इससे सकारात्मक सामाजिक मान्यता विकसित होगी।

16 अध्याय 16 : लोकसंकल्प वेब पोर्टल — जनभागीदारी का डिजिटल मंच

लोकसंकल्प केवल एक विचार नहीं, बल्कि एक सक्रिय सामाजिक नेटवर्क है।

इसी उद्देश्य से लोकसंकल्प वेब पोर्टल विकसित किया गया है।

वेबसाइट के चार स्तंभ

1
संकल्प
व्यक्तिगत एवं सामूहिक प्रतिज्ञा।

2
सहभागिता
विद्यालय, गांव, संस्था और संगठन को जोड़ना।

3
सूचना
जागरूकता सामग्री और संसाधन।

4
परिवर्तन
सफलता कहानियों और गतिविधियों का दस्तावेजीकरण।

वेब पोर्टल के प्रमुख मॉड्यूल

- ✔ ग्राम सभा पंजीकरण
- ✔ कार्यक्रम रिपोर्टिंग
- ✔ सफलता कहानी
- ✔ संसाधन केंद्र
- ✔ वालंटियर नेटवर्क
- ✔ शिक्षक नेटवर्क
- ✔ ग्राम समिति गतिविधियाँ
- ✔ परामर्श एवं सहायता केंद्र

17 अध्याय 17 : परामर्श एवं सहायता केंद्र

लोकसंकल्प का उद्देश्य अधिकाधिक तरीकों से समाज की सहायता करना है।

यदि किसी का परिजन, रिश्तेदार या परिचित नशे के चंगुल में फँस गया है और उसका परिवार या वह व्यक्ति स्वयं नशे की गिरफ्त से मुक्ति चाहता है तो लोक संकल्प वेबसाइट पर प्रदेश भर में स्थित नशा मुक्ति सहायता एवं परामर्श केंद्रों की पूरी सूची उपलब्ध है उसे देखकर आप अपने नजदीकी परामर्श केंद्र के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और वहां जाकर नशे से मुक्ति पा सकते हैं।

18 अध्याय 18 : सफलता कैसी दिखेगी? — लोकसंकल्प का विज़न 2047

लोकसंकल्प का उद्देश्य केवल कार्यक्रमों की संख्या बढ़ाना नहीं है।

हम व्यवहार परिवर्तन देखना चाहते हैं।

सफलता तब होगी जब—

- ✔ विवाहों में तंबाकू और नशे की मनुहार समाप्त हो जाए।
- ✔ मृत्यु उपरांत आयोजित शोक सभा नशामुक्त हों।
- ✔ बच्चे नशामुक्त वातावरण में बड़े हों।
- ✔ परिवारों में संवाद बढ़े।
- ✔ युवाओं को कौशल और अवसर मिलें।
- ✔ ग्राम समितियाँ सक्रिय रहें।
- ✔ नशे को सामाजिक सम्मान मिलना बंद हो जाए।
- ✔ नशामुक्त जीवन सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक बने।

हमारा आह्वान

- हम किसी व्यक्ति के विरुद्ध नहीं हैं।
- हम किसी परिवार के विरुद्ध नहीं हैं।
- हम किसी समुदाय के विरुद्ध नहीं हैं।
- हम किसी परंपरा का अपमान नहीं करते।

हम केवल इतना कहना चाहते हैं—

> **जो व्यवहार समाज, परिवार और भविष्य को नुकसान पहुँचाता है, उसे सम्मान देना बंद करें।**

सामूहिक संकल्प

“मैं संकल्प लेता/लेती हूँ कि मैं स्वयं नशामुक्त जीवन अपनाऊँगा/अपनाऊँगी, नशे की सामाजिक स्वीकृति को बढ़ावा नहीं दूँगा/दूँगी, अपने परिवार, विद्यालय, गांव तथा समाज में स्वस्थ, सकारात्मक और नशामुक्त वातावरण निर्माण में सक्रिय योगदान दूँगा/दूँगी। मैं विवाह, मृत्यु भोज तथा अन्य सामाजिक आयोजनों में किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थ की मनुहार, वितरण अथवा प्रोत्साहन नहीं करूँगा/करूँगी तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करूँगा/करूँगी।”

समापन संदेश

लोकसंकल्प केवल नशे के विरुद्ध अभियान नहीं है।

यह एक ऐसे समाज के निर्माण का अभियान है—

- जहाँ नशे की जगह संस्कार हों,
- निराशा की जगह अवसर हों,
- अकेलेपन की जगह संवाद हो,
- और व्यसन की जगह विकास हो।

हमारा मंत्र

“नशे को नहीं, संस्कारों को सामाजिक स्वीकृति”

“मेरा गांव — मेरा संकल्प — नशामुक्त समाज”

“केवल निषेध नहीं, अवसर भी”

“जब समाज बदलेगा, तभी भविष्य बदलेगा”

www.loksankalp

मेरा गांव – मेरा परिवार – मेरा संकल्प – नशामुक्त समाज।

लोकसंकल्प — नशे की सामाजिक स्वीकृति के विरुद्ध जनआंदोलन।

जय हिन्द।

loksankalp.org · X @loksankalp26 · Facebook /LokSankalp26 · Instagram @loksankalp26

www.loksankalp.org

वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें

loksankalp.org

द्वारा

प्रोफ़ेसर श्यामसुन्दर ज्याणी

(संयुक्त राष्ट्र द्वारा भूमि संरक्षण के सर्वोच्च सम्मान “लैंड फॉर लाइफ अवार्ड” से सम्मानित)

संयोजक

नई किरण नशा मुक्ति केंद्र
राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर

www.familialforestry.org
X: @habitathealer · F: @habitathealer · Insta: @habitat_healer

पुस्तिका डिज़ाइन : Communication Department, Familial Forestry Mission

copyright loksankalp.org